

ये अव्यक्त इशारे

आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो, अन्तर्मुखी बनो

11-06-2025

जैसे ब्रह्मा बाप एकान्तप्रिय होने के कारण सदा अन्तर्मुखी रहे, मैं आत्मा हूँ, मैं आत्मा हूँ... यह पाठ पक्का किया, जिस कारण वे स्वयं भी सदा शान्ति और सुख के सागर में समाये रहे और अन्य आत्माओं को भी अपने शुद्ध संकल्प और वायब्रेशन द्वारा, वृत्ति और बोल द्वारा, सम्पर्क द्वारा शान्ति की वा सुख की अनुभूति कराते रहे, ऐसे फालो फादर करो।

Practise being in the stage of soul consciousness, be introverted

Father Brahma had love for solitude and so was always introverted. He made firm the lesson of, "I am a soul, I am a soul" due to which he himself constantly remained merged in the ocean of peace and happiness. With his pure thoughts, vibrations, attitude, words and connections, he continued to give others the experience of peace and happiness. Follow the Father in the same way.

